न्यूज डायरी

दुनिया के सामने आईं वुहान के उस रहस्यमय लैब की तस्वीरें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वुहान। पूरी दुनिया को अपनी जद में लेने वाले खतरनाक कोरोना वायरस का सबसे पहला शिकार बना था। जैसे–जैसे यह त्रासदी यहां से दूसरे देशों में फैलने लगी, चीन की भूमिका पर सवाल उठने लगे। इस बीच सबसे ज्यादा चर्चा वुहान इंस्टिट्यूट ऑफ वायरॉलजी की हुई जहां 1,500 से ज्यादा खतरनाक वायरस रखे गए हैं। यहां पर इन वायरस पर रीसर्च होती है। इनमें चमगादड़ के साथ फैलने वायरस भी शामिल होते हैं। गौर करने वाली बात यह है कि कोरोना भी चमगादड़ में पाया जाने वाला वायरस होता है। ऐसे में चीन के खिलाफ एक बड़ी थिअरी यह रही है कि कोरोना दरअसल इसी बैंक से निकला और अब तक दुनियाभर में 95,722 लोगों की जान ले चुका है। ब्रिटेन के अखबार द मेल ऑनलाइन के मुताबिक ब्रिटेन की सरकार वायरस लीक के शक को पूरी तरह खारिज नहीं कर रही है।

मध्य माली में सड़क किनारे बम विस्फोट में तीन लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बमाको। मध्य माली में सड़क किनारे एक बम विस्फोट में बृहस्पतिवार को एक सरकारी अधिकारी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। एक क्षेत्रीय सरकारी अधिकारी देश के संवदेनशील केंद्र में एक सैन्य काफिले में यात्रा कर रहे थे जब उनका वाहन सड़क किनारे लगे एक बम की चपेट में आ गया जिसमें उनकी मौत हो गई। माली 2012 में शुरू हुए इस्लामिक आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए संघर्ष कर रहा है जिसमें हजारों सैन्य और आम नागरिक मारे जा चुके हैं। हजारों फ्रांसीसी और संयुक्त राष्ट्र बलों की मौजूदगी के बावजूद इस संघर्ष ने देश के पूरे मध्य हिस्से को अपनी गिरफ्त में ले लिया है और यह पड़ोसी बुर्किना फासो और नाइजर तक फैल गया है।

प्लास्टिक बीन बैग पहनने को मजबूर हुईं नर्सें निकलीं कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के एक हॉस्पिटल में सुरक्षा किट नहीं होने की वजह से तीन नर्सों को मजबूरन बीन बैग पहनना पड़ा। बाद में जब इन तीनों का टेस्ट किया गया, तो वे कोरोना वायरस से पॉजिटिव पाई गई हैं। उधर, अस्पताल की तरफ से कहा गया है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, लेकिन पूरी दुनिया में काम करने वाले कई स्वास्थ्यकर्मी वायरस से संक्रमित हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक, पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (पीपीई) की कमी के कारण पिछले महीने नर्सों को बिन बैग पहनने के लिए मजबूर किया गया था। इसके बाद लंदन के नॉर्थविक पार्क हॉस्पिटल को कोरोना वायरस की वजह से देश का पहला सबसे खतरनाक हॉस्पिटल घोषित किया गया है। यहां के आधे से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों ने आरोप लगाया है कि उन्हें सही सुरक्षा किट नहीं दिए जा रहे हैं, ऐसे में उनके भी संक्रमित होने का खतरा बढ़ गया है। तीनों नर्सों ने बताया, हमें सही पीपीई की जरूरत है। अगर यह उपलब्ध नहीं कराया गया, तो हजारों लोगों की तरह हम भी मरने जा रहे हैं।

फ्रांस ने बंद किया गेम चेंजर दवा का इस्तेमाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पैरिस। फ्रांस के एक अस्पताल ने कोरोना वायरस की रोकथाम में कारगर मानी जा रही हाइड्रॉक्सिक्लोरोक्वाइन का प्रयोग बंद करने का फैसला किया है। ये दवा मरीजों के दिल की बीमारी के लिए बड़ा खतरा बन रही थी। नाइस का यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल सेंटर उन तमाम अस्पतालों में से एक है जहां कोरोना मरीजों पर हाइड्रॉक्सिक्लोरोक्वाइन दवा इस्तेमाल की जा रही है। इस अस्पताल की ओर से बयान में कहा गया कि उन्होंने 22 मार्च से इस परीक्षण को शुरू किया था जिसमें 4 अलग–अलग प्रयोग थे और उसमें एक हाइड्रॉक्सिक्लोरोक्वाइन का प्रयोग भी था। अस्पताल के कार्डियॉलजी डिपॉर्टमेंट के हेड प्रफेसर एमाइल फेरारी ने बताया कि इस दवा के साइड इफेक्ट भी सामने आए और कुछ मरीजों का इलाज रोकना पड़ा क्योंकि यह उनके लिए खतरनाक साबित हो रहा था।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की जा सकती है कुर्सी

कहर

इमरान खान और सेना के बीच मतभेद गहरे होते जा रहे हैं

पीएम इमरान खान के पास जून तक का वक्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना की मदद से सत्ध्ता संभालने वाले पीएम इमरान खान नियाजी की कुर्सी पर अब संकट के बादल मंडराने लगे हैं। कोरोना महासंकट से जूझ रहे पाकिस्थ्तान में इमरान खान और सेना के बीच मतभेद गहराने लगे हैं। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी सेना ने लाडले इमरान खान के पापों को अपने सिर पर उठाने से मना कर दिया है और उसने पीएम को जून तक का वक्त दिया है।

दुनिया में कोरोना महामारी से अब तक 95,751 लोगों की मौत हो गई है। करीब 22 करोड़ की आबादी वाला पाकिस्थ्तान भी इस महामारी से जूझ रहा है। देश में अब तक 4541 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं और 65 लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान में हालात को संभालने के लिए कई जगहों पर लॉकडाउन कर दिया गया है। पूरे देश में स्थिति को संभालने के लिए सेना को तैनात किया गया है। इन सबके बावजूद दुनिया के कोरोना की खबरों में सुर्खियों में अभी पाकिस्तान दूर–दूर तक दिखाई नहीं दे रहा है।

टूट रहा पाक सेना का सब्र, खुद संभाली कमानः इस महासंकट के बीच इमरान खान केवल कोरी दिलासा दे रहे हैं कि हमें घबराना नहीं है। इमरान लॉकडाउन भी नहीं कर रहे हैं जिससे यह वायरस पाकिस्थ्तान के अन्य प्रांतों में तेजी से पांव पसार रहा है। संकट की इस घड़ी में पाकिस्थ्तान की सेना को भी समझ आ गया है कि इमरान सरकार कोरोना से जंग में कुछ नहीं कर पाएगी। इसी वजह से 23 मार्च को पाकिस्थ्तानी सेना के प्रवक्थ्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने घोषणा की कि प्रांतों की मांग पर पूरे देश में सेना की तैनाती की जाएगी। सेना का यह ऐलान इस बात का स्पष्ट संदेश था कि पाक पीएम को लेकर सेना का सब्र टूट रहा है। सेना को लग रहा है कि संकट की इस घड़ी में जब देश को सबसे ज्यादा जरूरत है तब इमरान खान सही से कप्तानी नहीं कर पा रहे हैं। यही नहीं 24 मार्च को कई टीवी चैनलों ने पीएम इमरान खान का जमकर मजाक उड़ाया था। उधर, आलोचनाओं के बीच सेना की मदद इमरान खान अपनी जिद पर अड़ गए हैं। उन्होंने सिंध की सरकार के लॉकडाउन के फैसले का विरोध किया है।

सेना प्रमुख बाजवा ने नेताओं के साथ की बैठकः सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा को 1 अप्रैल को केंद्र और प्रांतों की सरकारों के साथ बैठक करनी पड़ी। इससे इमरान खान सरकार की भौहें चढ़ गईं। अब इस पूरे महामारी को रोकने की कमान सेना के एक अधिकारी जनरल हमूद खान को दे दी गई है।

एच–1बी वीजा धारकों ने मांगी और रुकने की मोहलत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस ने अमेरिका की इकॉनमी को भयानक नुकसान पहुंचाया है। लाखों की संख्या में लोगों की नौकरियां जा रही हैं। ऐसे में वहां नौकरी की तलाश में गए लोगों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ऑनलाइन याचिका में अपील की है कि उनके एच–1बी वीजा को बढ़ाया जाए। दरअसल, इस वीजा के नियमों के तहत 60 दिन के अंदर लोगों को नौकरी ढूंढनी होती है वरना उनका वीजा एक्सपायर हो जाता है।

वापस नहीं लौट सकते अपने देशः इस याचिका को गुरुवार सुबह तक 50,000 लोग साइन कर चुके थे और इसे 18 अप्रैल तक 1,00,000 दस्तखत की जरूरत है। देश की इकॉनमी के मौजूदा हालात को देखते हुए इस समयसीमा को 180 दिन बढ़ाने की अपील की गई है। इन लोगों की परेशानियां इसलिए भी बढ़ चुकी हैं क्योंकि भारत जैसे देशों में लॉकडाउन घोषित किया जा चुका है और अब अमेरिका गए लोग वापस भी नहीं आ सकते।

शोषण का होते हैं शिकार हावर्ड यूनिवर्सिटी के प्रफेसर रॉन का कहना है कि नौकरियों की कमी के दौरान एच–1बी वीजा धारकों को और ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बहुत खुश हूं कि वुहान से नहीं लौटा अपने देश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना वायरस के केंद्र चीन के वुहान में रहने वाले ब्रिटेन के एक टीचर बेहद खुश हैं। टीचर ने खुशी जताई है कि उसने सही किया जो वापस अपने देश लौटने का फैसला नहीं किया। 38 वर्षीय क्रिस हिल अपनी पत्नी और चार साल के बेटे के साथ वुहान के उस मीट मार्केट से महज 10 मिनट की दूरी पर रहते हैं, जहां यह महामारी जन्मी थी। क्रिस कहते हैं कि अब उन्हें खुशी है कि उन्होंने यूके वापस जाने का फैसला नहीं किया, क्योंकि यहां लॉकडाउन खत्म हो गया है। वहीं, ब्रिटेन में उनके रिश्तेदार इस वजह से अब काफी परेशानी में हैं। क्रिस हिल बताते हैं, जनवरी में जैसे ही शहर बंद होना शुरू हुआ, तो उनके दिमाग में देश लौटने का ख्याल आया। लेकिन उन्होंने नहीं जाने का फैसला किया।

अमेरिका में छींक दिया तो होगा आतंकवाद का केस!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। किलर कोरोना वायरस महामारी के बीच कई जगह पर लोग खांसने और छींकने को पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हथियार के तौर पर भी इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसा ही एक मामला अमेरिका का सामने आया है। लेकिन अब यहां ऐसा करने वालों के खिलाफ आतंकवाद फैलाने के आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अमेरिका के वर्जीनिया शहर में एक शख्स ने दुकान से सामान खरीदने के बाद हंगामा करने लगा तो पुलिस को बुलाया गया, जब उससे पूछताछ करने पहुंची, तो शख्स ने बोला कि महामारी के बीच लोग खांसने और छींकने को हथियार बना रहे क्या आप कोरोना से नहीं डरते, मैं आप पर खांसने और छींकने जा रहा हूं। शख्स के खिलाफ आतंक फैलाने का मामला दर्ज किया गया।

उधर, अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक सुपरमार्केट में 1,800 डॉलर कीमत का किराने और अन्य सामान चाटकर रखने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। संक्रमण के डर से सामान को नष्ट कर दिया गया है। इस बीच अमेरिका में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में अब तक कोरोना वायरस से 16,697 लोगों की मौत हो गई। दुनिया में सबसे ज्यादा कोरोना मरीज अमेरिका में हैं।

न्यूयॉर्क में इतने शव कि गिनना छोड़ दियाः कोरोना से हो रही मौतों से न्यूयॉर्क में दहशत का माहौल बना हुआ है। यहां के एक कपल ने बताया कि जब उन्होंने अपने घर की खिड़की से बाहर देखा तो उन्हें शवों को ले जा रहे कई वाहन दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि यह बेहद डरावना सीन था। हमें वाहनों में इतने शव नजर आए कि हमने उन्हें गिनना ही छोड़ दिया।

अमेरिका में कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। अकेले न्यूयॉर्क में 6000 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं।

वुहान में 76 दिनों के कैद से मिली मुक्ति, महिला ने दिया 76 तरीके के खाने का ऑर्डर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वुहान। कोरोना वायरस का गढ़ रहे वुहान में 76 दिनों का लॉकडाउन खत्म होने के बाद अब लोग खुली हवा में सांस ले रहे हैं। वुहान शहर में जश्न का आलम यह है कि लोग बड़ी संख्या में दोस्तों के यहां जा रहे हैं और मन की मुराद पूरी कर रहे हैं। इतने लंबे समय तक कोरोना कैद में रहने के बाद मुक्ति मिलने पर खाने की शौकिन एक महिला ने एक बार में ही 76 तरीके के ब्रेकफास्ट का ऑर्डर दिया।

महिला के खाने का ऑर्डर अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। लंबे समय तक अपने मनपंसद खाने से दूर रही महिला ने 76 तरह के पकवानों का ऑर्डर दे दिया। दरअसल, महिला ने 76 दिनों के क्वारंटाइन में 76 ब्रेकफास्ट को मिस किया था। लॉकडाउन हटते ही उसने अपनी मन की मुराद को पूरी कर लिया। वुहान में अब पाबंदी हट गई और एक करोड़ से अधिक आबादी वाले इस शहर के लोगों को कहीं भी आने–जाने की छूट दे दी गई है। महिला के ऑर्डर को एक डिलेवरी ब्वॉय ने लकड़ी के डंडे पर टांगकर महिला के घर तक पहुंचाया।